आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

27.04.2024 समय : 1850

- सर्वोच्च न्यायालय ने ई वी एम–वीवी पैट के सौ प्रतिशत सत्यापन की याचिका खारिज की।
- भारतीय वायु सेना ने डिजीलॉकर मंच के साथ मिलकर एक परिवर्तनकारी डिजिटल यात्रा की शुरुआत की।
- मायाबंदर तहसील में पानी के स्रोतों का पता लगाने के लिए सहायक आयुक्त मुख्यालय आशीष जून के साथ अन्य अधिकारियों ने जल स्रोतों का निरीक्षण किया।
- नागरिक आपूर्ति विभाग ने द्वीपों के सभी बचे हुए राशन कार्डधारकों से ई–के वाई सी कराने का अनुरोध किया है।
- विज्ञान केन्द्र में दो मई से अभिरूचि शिविर का आयोजन किया जाएगा।
- विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर कल रंगाचांग में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

<><><><><><><>

भारतीय वायु सेना ने डिजीलॉकर मंच के साथ मिलकर एक परिवर्तनकारी डिजिटल यात्रा की शुरुआत की है। डिजीलॉकर के साथ मिलकर इस पहल के अंतर्गत अग्निवीर वायु भर्ती सहित वायु सेना की विभिन्न प्रक्रियाओं में शामिल उम्मीदवारों के शैक्षणिक दस्तावेजों का डिजिटल रूप से सत्यापन होगा। वायु सेना तथा इलेक्टॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजीलॉकर की सुरक्षित और सुलभ दस्तावेज भंडार सेवाओं का लाभ उठाने के लिए नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

<><><><><><><>

मायाबंदर तहसील में पानी के स्रोतों का पता लगाने के लिए सहायक आयुक्त मुख्यालय आशीष जून के साथ वन विभाग और अंडमान लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के अलावा पटवारी और क्षेत्र के प्रधानों ने रामपुर और करमाटांग–नौ में जल स्रोतों का निरीक्षण किया। इसका उद्देश्य नए स्रोतों का पता लगाना और वर्तमान स्रोतों में पानी की उपलब्धता की जांच करना था, ताकि तहसील में पानी की समस्या से निपटा जा सके। मध्योत्तर अंडमान ज़िला प्रशासन पानी की कमी से निपटने के लिए रिंग वेल का निर्माण करने के लिए भी जरूरी कदम उठा रहा है। कोरंगनाला से मायाबंदर तक टैंकरों के माध्यम से पेयजल की आपूर्ति की जा रही है, ताकि पानी की समस्या से निपटा जा सक।

<><><><><><><>

नागरिक आपूर्ति विभाग ने द्वीपों के सभी बचे हुए राशन कार्डधारकों से ई–के वाई सी कराने का एक बार फिर अनुरोध किया है। विभाग ने कहा है कि अब तक जिन उपभोक्ताओं ने उचित मूल्य की दुकानों या नागरिक आपूर्ति निदेशालय या बाहरी द्वीपों में स्थित आपूर्ति विभाग के इकाईयों में ई–के वाई सी नहीं कराए हैं, वे तुरंत अपने–अपने क्षेत्र के उचित मूल्य की दुकानों से आधार नम्बर के साथ संपर्क करें, ताकि राशन कार्ड मे अंकित सभी सदस्यों की ई–के वाई सी हो सके। राशन कार्डधारक नागरिक आपूर्ति विभाग में कमरा नम्बर बीस या अपने–अपने क्षेत्र के आपूर्ति इकाई में पन्द्रह मई तक अवश्य संपर्क करें। बचे हुए लाभार्थियों की सूची जानकारी के लिए संबंधित उचित मूल्य की दुकानों पर उपलब्ध है। कुछ मामलों में वृद्धजनों या किसी अन्य कारणों से अंगुली की छाप उपकरण में दिखाई नही देती है, ऐसे सभी लाभार्थियों से नागरिक आपूर्ति विभाग स्थित आधार केन्द्र या उनके तहसील के आधार केन्द्र में आधार बायोमिट्रिक के कार्य को सम्पन्न करें, ताकि उन्हें अंतिम अवसर से चूकना न पड़ें।

<><><><><><><>

कार्बाइंस कोव मार्ग स्थित विज्ञान केन्द्र में दो मई से अभिरूचि शिविर का आयोजन किया जाएगा। इक्कतीस मई तक चलने वाले इस शिविर में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। अभिरूचि कक्षाओं में एयरो मॉडलिंग, रोबोटिक साइंस, क्रिएटिव साइंस, शिप बिल्डिंग जैसे ट्रेडों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सप्ताह में दो विषयों पर पूर्ण रूप से जानकारी दी जाएगी। कक्षाएं सुबह नौ बजकर पन्द्रह मिनट से दिन में एक बजे तक चलेगी। कल शाम पांच बजे तक निर्धारित शुल्क के साथ पंजीकरण किया जा सकता है। पोर्ट ब्लेयर और आस–पास के प्रतिभागियों को निर्धारित शुल्क की अदायगी करने पर शिविर में आने–जाने के लिए बस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय आपदा मोचक बल की ओर से अंडमान निकोबार पुलिस के कर्मियों के लिए आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया है। अग्नि सेवा प्रशिक्षण केन्द्र पोर्ट ब्लेयर में आयोजित समापन समारोह में पुलिस अधीक्षक आपदा प्रबंधन मंजीत शिवरन मुख्य अतिथि थे। उन्होंने लगातार सीखने और आपातकालीन स्थिति में अपने आप को तैयार रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि वे अपने सहकर्मियों से भी उसी तरह के प्रशिक्षण सत्र में भाग लेने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें, ताकि लोगों की सुरक्षा को कुशल हाथों के जरिए सुनिश्चित किया जा सके। पाठ्यक्रम में पुलिस इकाई और अग्नि मित्र के चौंतीस कर्मियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि ने पुलिस और राष्ट्रीय आपदा मोचक बल की गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि यह बल हमेशा तैयार है। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन के इंस्पेक्टर जगदीश वर्मा ने भी अपने विचार रखे।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार पुलिस की विभिन्न इकाईयों की ओर से नशीले पदार्थों के धंधे में लगे लोगों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। अपराध और आर्थिक अपराध पुलिस थाना की टीम ने विम्बलीटान चौराहे पर जांच के दौरान ऑटो रिक्शा चला रहे के. आनन्दा नामक अबरडीन बाजार निवासी को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक सौ से अधिक भारत में बने विदेशी शराब की बोतले जब्त की गई।

उधर, पुलिस ने नकली शेयर बाजार निवेश वेबसाइट और ऐसे ऐप से सावधान रहने की अपील की है। जारी परामर्श में कहा गया है कि प्रमुख व्यक्तियों के गहरे नकली वीडियो और छवियों वाले प्रायोजित विज्ञापन वर्तमान में फेसबुक, इंस्टाग्राम और गूगल जैसे प्लेटफार्मों पर प्रसारित किए जा रहे हैं। साबइर अपराधी ट्रेडिंग उद्देश्यों के लिए संभावित पीड़ितों के साथ नकली ट्रेडिंग अप्लीकेशन के लिए प्ले स्टोर या ऐप स्टोर लिंक या एपीके फाइले साझा करते हैं। ऐसे तमाम हथकंडों से बचने के लिए पुलिस ने लोगों से सावधान रहने को कहा है। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए साइबर अपराध पुलिस थाना से संपर्क करने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

नगरपालिका पार्षद वी. वेटरी वेलू ने गाराचरमा टी टी आई मार्ग निवासी गीता देवी के निधन पर शोक प्रकट किया है। इनका आज निधन हो गया। वे इकसठ वर्ष की थी।

<><><><><><><><>

विश्व पशु चिकित्सा दिवस के अवसर पर कल पशु चिकित्सा विभाग के सहयोग से केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा रंगाचांग में पशु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष का विषय ''पशुचिकित्सक अत्यावश्यक स्वास्थ्य कार्यकर्ता'' रखा गया है, जो न केवल पशु स्वास्थ्य बल्कि पशु जन्य रोगों की रोकथाम में भी पशु चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, प्रजनन मूल्यांकन, गर्भावस्था से संबंधित जांच की गई। इस अवसर पर क्यारी के निदेशक डॉ. ई बी चाकुरकर ने वैज्ञानिक प्रबंधन प्रणाली, समय पर कृमिमुक्ति दवा, भोजन और प्रजनन के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। वरिष्ठ पशु चिकित्सक अधिकारी टी.पी स्वप्ना ने भविष्य में भी इस तरह के शिविर आयोजित करने का सुझाव दिया। पशु विज्ञान प्रभाग के प्रमुख डॉ. जय सुंदर ने पशुधन के स्वास्थ्य प्रबंधन विशेष रूप से पैर और मुंह की बीमारी की रोकथाम के लिए नियमित टीकाकरण पर जोर दिया। शिविर के दौरान किसानों में खनिज मिश्रण, विटामिनयुक्त टॉनिक और कृमिनाशक दवाईयों का वितरण किया गया। शिविर में सौ से अधिक पशुओं की जांच की गई।

<><><><><><><><>

समाज कल्याण निदेशालय की ओर से दिव्यांगजन कौशल विकास पहल की शुरूआत की गई है। इसका उद्देश्य व्यापक कौशल विकास के माध्यम से विविध क्षमताओं वाले लोगों को सशक्त बनाना है। इस पहल का उद्देश्य एक ऐसे समाज को बढ़ावा देना है, जो विविधता को महत्व देता है और सभी के लिए समान अवसर प्रदान करता है। दिव्यांगजनों से कहा गया है कि वे पोर्टल में अपना नामांकन कराएं और बेहतर भविष्य के लिए अपने आप को कौशलयुक्त बनाएं। यह विविध क्षमताओं वाले व्यक्तियों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुकूल डिजाइन किया गया कौशल विकास कार्यक्रम है।

<><><><><><><><>